यूपीईएस में छात्रों के लिए इमर्सिव लर्निंग की शुरुआत

सत्र में मौजूद छात्र।

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

यूपीईएस के स्कूल ऑफ बिजनेस ने इन्सिआड एक्सआर के सहयोग से इमर्सिव एक्सआर सिमुलेशन सत्र आयोजित किया। इस पहल के साथ यूपीईएस भारत के उन पहले संस्थानों में शामिल हो गया है, जिसने मैनेजमेंट शिक्षा में एक्सटेंडेड रियलिटी (एक्सआर) को अपने एमबीए पाठ्यक्रम में शामिल किया है।

पायलट सत्र में दो अत्याधुनिक एक्सआर सिमुलेशन शामिल थे- द अवोकाडो केस, जो रणनीतिक निर्णय निर्माण पर केंद्रित था और मिशन टू मार्स का उद्देश्य आलोचनात्मक सोच और टीम सहयोग को बेहतर बनाना था। इन सिमुलेशन्स ने छात्रों को एक अनोखा अवसर प्रदान किया, जिसमें वे बहु इंद्रियात्मक वातावरण में जटिल व्यवसायिक परिस्थितियों के साथ सीधे रूप से जुड़ सके, जो वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों के बहुत करीब था। इस सफल पायलट के बाद यूपीईएस अगले सेमेस्टर में अपने एमबीए कार्यक्रम में एक्सआर सिमुलेशंस को औपचारिक रूप से शामिल करेगा।

यूपीईएस स्कूल ऑफ बिजनेस के डीन राहुल नैनवाल ने कहा कि यूपीईएस में हमारा निरंतर प्रयास है कि हम छात्रों को उन्नत और अनुभव आधारित शिक्षण विधियों के माध्यम से प्रासंगिक और भविष्य केंद्रित कौशल प्रदान करें।